कक्षा 12 – सामान्य हिंदी सम्पूर्ण व्याकरण

Gyansindhu Coaching Classes

इस महामैराथन क्लास में 20 अंक पक्का

- अनेकार्थी – 2 अंक
- सूक्ष्म अंतर- 2 अंक
- मुहावरे- लोकोक्तियाँ – 2 अंक
- वाक्यांश के लिए एक शब्द- 2 अंक
- शुद्ध-अशुद्ध शब्द – 2 अंक
- पत्र लेखन – 6 अंक
- रस- छंद- अलंकार – 6 अंक

अनेकार्थी शब्द- [2 अंक]

- योग- जोड़, चित्तवृत्तिनिरोध
- रस – अम्ल, प्रेम, आनंद।
- राग- प्रेम, गाने की लय
- लक्ष्य – निशाना, उद्देश्य।
- 'वर' - आशीर्वचन, दूल्हा, श्रेष्ठ
- वर्ण - रंग , जाति, अक्षर

Gyansindhu Coaching Classes

- साधना – उपासना , निशाना लगाना
- सारंग -बादल , कमल, एक राग
- सुरभि- सुगंधि, गाय
- स्नेह – प्रेम, तेल
- हंस – पक्षी, सूर्य
- हलधर – किसान, बैल, बलराम।
- हार – पराजय, पुष्पमाला, गले का आभूषण.
- हेम- सोना, बर्फ

Gyansindhu Coaching Classes

- तात- भाई, पिता, बन्धु।
- तीर – किनारा, बाण ।
- दल – समूह, मांसल ,भाग
- दाम- मूल्य, रस्सी।
- दृग – नेत्र, चित्त
- द्विज – ब्राह्मण, दाँत, पक्षी
- नग – रत्न, विशेष संख्या, पहाड़
- नाक - नासिका, मर्यादा, स्वर्ग।

Gyansindhu Coaching Classes

- गौ- गाय, भूमि
- चपला- बिजली, लक्ष्मी
- जड़ - मूर्ख , पेड़, स्थिर
- जनक – पिता, राजा जनक, जन्मदाता।
- जलज- कमल, शंख
- नाग – सर्प , हाथी
- पक्ष – पंख, पखवारा
- पट- घूँघट, वस्त्र
- पतंग – सूर्य, उड़ाई जाने वाली कागज की पतंग, पक्षी

Gyansindhu Coaching Classes

- गुण - शील , विशेषता
- गुरु – सदुपदेशक, शिक्षक, बड़ा
- पत्र- पत्ता, चिट्ठी।
- 'पद' – पैर, स्थान।
- पय- दूध, पानी
- पयोधर – बादल, समुद्र।
- पानी – जल, नीर, तोय, तेज, इज्जत।
- पुष्कर- तालाब, आकाश
- पूत – पुत्र, पवित्र

- फल- परिणाम, लाभ
- बाल – केश, बालक
- भुजंग- सर्प, शीशा नमक धातु, भुजाओं में स्थित
- मधु – शहद, बसन्त ऋतु , शराब
- माधव – श्रीकृष्ण,
- मित्र- दोस्त ,सूर्य।
- युक्ति- उपाय, तर्क
- वायु – पवन, वातावरण, माहौल।
- वार – क्रम, अनुसार, दिन

- अंक - गोद, संख्या
- अंचल - वस्त्र का किनारा, प्रान्त, भाग
- अक्षत – संपूर्ण, अखंड, चावल का दाना।
- अग्नि- ईर्ष्या, आग ,गर्म
- अज- बकरा, ब्रह्मा, अजन्मा
- शिव – पारा, शंकर भगवान
- श्रुति – कान, वेद
- संज्ञा – नाम, चेतना
- हरि – विष्णु, इन्द्र, घोड़ा

- अनुपम- जिसकी कोई तुलना न हो, सुन्दर
- अनुरूप- अनुकृति, योग्य
- अभियोग- लांछन , आरोप
- अमृत - अमर, अमिय
- अर्क – सूर्य, मदार
- अलि – भौरा, सखी ।
- आरम्भ – श्रीगणेश, शुरुवात, प्रारंभ
- उत्तर- जवाब, भविष्य
- कनक- सोना, स्वर्ण, धतूरा
- कपि- बंदर, हनुमान

अनंत- अंतहीन, आकाश

अनल – आग, कृत्तिका नक्षत्र

अनुकम्पा – कृपा, दया

कमल – पंकज, आँख की पुतली

कर – हाथ, किरण, टैक्स

कांड- घटना, अध्याय

काल- समय, मृत्यु, यम

कुल- वंश , समस्त

कौशिक – विश्वामित्र, रेशमी वस्त्र

गति- स्थिति, रफ़्तार

गिरा – वाणी, सरस्वती

विधि - कानून , तरीका, भाग्य

विभूति - ऐश्वर्य, दौलत

वाक्यांश के लिए शब्द- [2 अंक]

➢ जो ईश्वर में विश्वास करता है-	आस्तिक
➢ जो पढ़ना-लिखना जानता हो-	साक्षर
➢ जिसे कहा न जा सके-	अकथनीय
➢ सौ वर्ष की आयु पूरी करने वाला-	शतायु
➢ जिसकी गणना न की जा सके	अगणनीय/अगणित
➢ जो कभी जन्म नहीं लेता-	अजन्मा
➢ किये गये उपकार को न मानने वाला	कृतघ्न
➢ जिसको ईश्वर में विश्वास न हो	नास्तिक
➢ जानने की इच्छा रखने वाला	जिज्ञासु
➢ सौ वर्ष का समय -	शताब्दी

वाक्यांश के लिए शब्द- [2 अंक]
बहुविकल्पीय आयेंगे

1. जो ईश्वर में विश्वास करता है -
   I. नास्तिक
   II. विश्वसनीय
   III. आस्तिक
   IV. स्मरणीय

✓ उत्तर- आस्तिक

➢ वह पुरुष जिसकी पत्नी मर गयी हो-	विधुर
➢ जिसकी उपमा के योग्य कोई न हो-	निरुपम
➢ जो सब कुछ जानता हो-	सर्वज्ञ
➢ प्रतिदिन प्रकाशित होने वाला समाचार पत्र-	दैनिक
➢ जिसमें कुछ करने की क्षमता न हो-	अक्षम
➢ अभी-अभी स्नान किया हुआ-	सद्यस्नात
➢ जंगल की अग्नि-	दावाग्नि
➢ जो वन्दना करने योग्य हो-	वन्दनीय
➢ जिसके आने की कोई तिथि न हो-	अतिथि
➢ जो कभी न मरता हो-	अमर
➢ जिसे क्षमा किया जा सके -	क्षम्य
➢ "जो पहले कभी न हुआ हो-	अभूतपूर्व

➢ जीने की उत्कट इच्छा-	जिजीविषा
➢ सदा सत्य बोलने वाला-	सत्यवादी
➢ जिसका कोई शत्रु पैदा ही न हो-	अजातशत्रु
➢ जो जीता न जा सके-	अजेय
➢ संयम से और कम खर्च करने वाला-	मितव्ययी
➢ संयम से और कम बोलना/ जो कम बातें करता हो-	मितभाषी
➢ जो दूसरों का उपकार करता हो-	परोपकारी
➢ जिसके हृदय में ममता न हो-	निर्मम
➢ जिसने अपनी इन्द्रियों को जीत लिया हो-	जितेन्द्रिय
➢ जिसके आने की कोई तिथि निश्चित न हो-	अतिथि
➢ विश्वास न करने योग्य-	अविश्वस्त
➢ जिसका पति मर गया हो-	विधवा

➢ पीने की इच्छा रखने वाला-	पिपासु
➢ जिसे कठिनता से जाना जा सके-	दुर्बोध
➢ वह स्थान जहाँ पृथ्वी और आकाश मिलते से दिखाई देते हैं-	क्षितिज
➢ पानी पीने का इच्छुक-	जलपिपासु
➢ जो कठिनता से समझ में आये-	दुर्ज्ञेय
➢ पीछे चलने वाला-	अनुगामी
➢ जो शरण में आया हो-	शरणार्थी
➢ जिसे भुलाया न जा सके-	अविस्मरणीय
➢ जिसमें सहने की शक्ति हो-	सहनशील
➢ जो नष्ट होनेवाला हो-	नश्वर’/नाशवान
➢ जल-स्थल दोनों जगह रहनेवाला प्राणी	उभयजीवी
➢ अनुचित बात के लिए आग्रह/गलत कार्य के लिए हठ करना-	दुराग्रह

➢ जो स्त्री कविता लिखती है	कवयित्री
➢ राज्य के प्रधान शासक द्वारा दिया या निकाला गया आदेश-	शासनादेश
➢ प्रातः वर्षा ऋतु में आकाश में दिखाई देनेवाली सात रंगोंवाले धनुष-	इन्द्रधनुष
➢ जिसका मन किसी दूसरी ओर लगा हो	अन्यमनस्क
➢ सारे शरीर की हड्डियों का ढांचा	कंकाल
➢ जिसके चार पैर होते हैं	चतुष्पद
➢ कुछ खास शर्तों द्वारा कोई कार्य करने-कराने का समझौता	शर्तनामा
➢ अधिक समय तक जीवित रहने का इच्छुक	दीर्घ जिजीविषा
➢ किसी काम को चित्त लगाकर करनेवाला	दत्तचित्त
➢ अलग-अलग अवयवों को एक में जोड़ना	संयोजन

➢ सर्वसाधारण से सम्बन्धित	सार्वजनिक
➢ धरती और आकाश के बीच का स्थान	अन्तरिक्ष
➢ जिसका दमन न किया जा सके	अदम्य
➢ थोड़ा ज्ञान रखनेवाला	अल्पज्ञ
➢ रास्ता दिखानेवाला	पथप्रदर्शक
➢ जिसको क्षमा न किया जा सके	अक्षम्य
➢ जिससे किसी की तुलना न की जा सके	अतुलनीय
➢ जिसकी इच्छाएँ बहुत ऊँची हों	महत्त्वाकांक्षी
➢ विदेश में रहनेवाला	परदेशी
➢ क्षण भर में नष्ट हो जाने वाला	क्षणभंगुर
➢ जिसे कठिनता से जाना जा सके	दुर्बोध
➢ जिसका कोई आधार न हो	निराधार

➢ जो कल्पना से परे हो	कल्पनातीत
➢ जिसका कोई अन्त न हो	अनन्त
➢ जिसके आर-पार देखा जा सके	पारदर्शी
➢ नीति को जानने वाला	नीतिज्ञ
➢ जो अपने प्रति की गई भलाई को न माने	कृतघ्न
➢ अनुकरण करने योग्य	अनुकरणीय
➢ जो सामान्य नियम के विरुद्ध हो	अपवाद
➢ बिना वेतन लिये काम करने वाला	अवैतनिक
➢ सामान्य रूप से आगे बढ़ने की चेष्टा	प्रतिस्पर्द्धा
➢ जो जीता न जा सके	अजेय
➢ सत्य में जिसका दृढ़ विश्वास हो	सत्यनिष्ठ
➢ जो बहुत कुछ जानता हो	बहुज्ञ

जो विधान द्वारा मान्य हो	वैधानिक
घृणा के योग्य	घृणित
जो संगीत का ज्ञाता हो-	संगीतज्ञ
अपने आप को धोखा देनेवाला	आत्मवंचक
वह व्यक्ति जो अपने ऋणों को चुकता करने में असमर्थ हो गया हो	दिवालिया
पृथ्वी से सम्बन्धित	पार्थिव
जो कल्पना से परे हो	अकल्पित
जो बात इन्द्रिय द्वारा न जानी जा सके	अतीन्द्रिय
प्रारम्भ से अन्त तक	आद्योपरान्त
जिस पर आक्रमण न हो सके	अनाक्रमण्य
जो मृत्यु के समीप हो	मरणासन्न
जिसका उच्चारण न किया जा सके	अनुच्चरित

प्रारम्भ से अंत तक	आद्योपान्त
जो सदा से चला आ रहा हो-	शाश्वत
जिसकी आशा न की गयी हो-	अप्रत्याशित
जिसकी उपमा न दी जा सके-	अनुपम
जिसने कोई अपराध न किया हो-	निरपराध
दूसरों पर आश्रित रहने वाला -	पराश्रित
जिसके समान कोई दूसरा न हो-	अद्वितीय
जो मापा न जा सके-	अमाप्य/अपरिमेय
जिसका करना इच्छा पर निर्भर हो	ऐच्छिक
जहाँ कोई दूसरा न हो	अनन्य
इतिहास से सम्बन्ध रखने वाला तथ्य	ऐतिहासिक
गोद लिया हुआ पुत्र	दत्तक
जिस पर चिह्न लगाया गया हो	चिह्नित
जिसके पास कुछ न हो	निषिद्ध

जो नष्ट होनेवाला हो	अकिंचन
किसी बात का गूढ़ रहस्य जाननेवाला	नश्वर
जहाँ पहुँचना कठिन हो	दुर्गम
किसी बात पर बार-बार जोर देना	पिष्टपेषण
सर्वसाधारण में गाया जानेवाला गीत	लोकगीत
करुण स्वर में चिल्लाने की ध्वनि	चीत्कार
जिसके भीतर की हवा का तापमान/समस्थिति में रखा गया हो	वातानुकूलित
किसी पक्ष का समर्थन न करनेवाला	तटस्थ
आशा से अधिक-	आशातीत
जो परिणय सूत्र में न बँधा हो-	अपरिणीत/अविवाहित
जिसका अन्त सुखमय हो-	सुखांत
जिसे शास्त्रों की अच्छी जानकारी हो-	शास्त्रज्ञ/शास्त्री
सेना के ठहरने का स्थान -	छावनी/बैरक
काँटों से भरा हुआ -	कंटकाकीर्ण

दूसरो पर आश्रित रहनेवाला-	पराश्रित
जो महिला अभिनय करनेवाली है-	अभिनेत्री
फेंककर चलाया जानेवाला हथियार-	अस्त्र/प्रक्षेपास्त्र
पैरों से जल पीनेवाला-	पादप
जो काटा न जा सके-	अकाट्य
बिना पलक गिराये-	अपलक/ निर्निमेष
जो ममत्व से रहित हो-	निर्मम
घुटनों तक जिसकी बाहें हों-	अजानुबाह
गद्य-पद्य मय साहित्य रचना	चम्पू काव्य
जो जाना न जा सके	अज्ञेय
छोटे से छोटे दोष को खोजने वाला	छिद्रान्वेषी
जिसकी सीमा न हो	असीमित
जो क्षमा करने योग्य हो	क्षम्य
रात्रि में विचरण करने वाला	निशाचर
आवश्यकता से अधिक वर्षा	अतिवृष्टि
जिसका वचन या वाणी द्वारा वर्णन न किया जा सके	अवर्णनीय
जिसका वर्णन न किया जा सके	अवर्णनीय

2. जंगल की अग्नि -

i. दावाग्नि
ii. जठराग्नि
iii. वड़वाग्नि
iv. नभाग्नि

✓ उत्तर- दावाग्नि

3.जो जीता न जा सके-

I. अजीत
II. अजेय
III. सर्वजीत
IV. जयशील

✓उत्तर- अजेय

4. अनुकरण करने योग्य -

I. अनुकरणीय

II. अमर

III. अजर

IV. अक्षय

✓ उत्तर- अनुकरणीय

5. जिसे कहा न जा सके -

i. अनुपम
ii. अकथनीय
iii. कथनीय
iv. अद्‌वितीय

✓ उत्तर- अकथनीय

7. किये गये उपकार को न मानने वाला -

I. कृतज्ञ
II. अकर्ता
III.अकृतघ्न
IV.कृतघ्न

✓ उत्तर- कृतघ्न

8. किये गये उपकार को मानने वाला -

I. कृतज्ञ
II. अकर्ता
III.अकृतघ्न
IV.कृतघ्न

✓ उत्तर- कृतज्ञ

शब्दों में सूक्ष्म अंतर- 2024

1. श्रवण-श्रमण (2020 ZK,ZJ, 22 DU)
   (A) पाप और पुण्य
   (B) सज्जन और दुर्जन
   (C) कान और भिक्षु
   (D) सावन और परिश्रमी

2. वसन-व्यसन. (2016 SY, 19CX,20ZI)

(A) विवश और व्याकुल

(B) वस्त्र और आदत

(C) कवच और भोजन

(D) विस्तार और अवधि

- अविराम-अभिराम - बिना रोक के और सुन्दर।
- अंश-अंशु - भाग और किरण।

5. कटिबन्ध-कटिबद्ध. - करधनी और तैयार।
6. बात-वात - बातें और हवा ।
7. द्रव-द्रव्य - तरल पदार्थ और धन।
8. स्वर्ण-सवर्ण - सोना और उच्च जाति।
9. अंस-अंश - कंधा और हिस्सा।
10. अभय-उभय. - निडर और दोनों।
11. अंबुज-अंबुद - कमल और बादल।
12. अपेक्षा-उपेक्षा - तुलना में और अवहेलना।

- अनल-अनिल - अग्नि और वायु।
- कपट- कपाट -- धोखा और दरवाजा।
- गृह-ग्रह- -- घर और नक्षत्र।
- जलज-जलद. - कमल और वादल।
- तरणि-तरणी सूर्य और नाव।
- सुत-सूत पुत्र और सारथी।
- भवन-भुवन. घर और संसार।
- छत्र-क्षेत्र. छतरी और क्षत्रिय।
- नीर-नीड़. जल और घोंसला।
- छात्र-क्षात्र. विद्यार्थी और क्षत्रियोचित।

- नियत-नियति- निश्चित और भाग्य।
- आभरण-आमरण, आभूषण और मृत्युपर्यन्त ।
- हिमांबु-हिमांशु शीतल जल और चन्द्रमा।
- कृश-कृषि दुबला और खेती।
- पाक-पाग पकना और पागना।
- प्रणय-परिणय प्रेम और विवाह ।
- अंश-अंस भाग-कंधा

- अवलम्ब-अविलम्ब. सहारा और शीघ्र।
- पयोद-पयोधि- बादल और समुद्र।
- प्रथा-पृथा- रीति-रिवाज और कुन्ती ।
- शर-सर बाण और तालाब।
- आरति-अराति- दुःख और शत्रु।
- जलद-जलधि- बादल और संमुद्र।
- शशधर-शशिधर- चन्द्रमा और शंकर।
- आतप-आपात- धूप और संकट।
- उच्छृंखल-उद्दण्ड- नियमबद्ध न होना और जो दण्ड से न डरता हो।
- निद्रा-तन्द्रा- सो जाना और नींद की अर्द्ध-अवस्था या ऊँधना।
- सुगन्ध-सौगन्ध - महक और शपथ।
- तरणी-तरुणी- नौका और युवती ।

❖ द्विप-द्वीप- हाथी और टापू।
❖ लक्ष-लक्ष्य- लाख (संख्या) और उद्देश्य।
❖ उद्धत-उद्यत - उद्दण्ड और तैयार।
❖ कुल और कूल - वंश और किनारा।
❖ अलि-आली- भौंरा और सखी।
❖ जगत-जगत् - संसार और कूएँ का चबूतरा।
❖ उपल-उत्पल- ओला और कमल।
❖ भव-भव्य- संसार और सुन्दर।
❖ कर्म-क्रम- कार्य और क्रम।
❖ अयश-अयस- बदनामी और लोहा।
❖ प्रसाद-प्रासाद- कृपा और महल।
❖ आवरण-आभरण- परदा और गहना।
❖ कपिश-कपीश- मटमैला और हनुमान।

- अग-अघ – अचल/आगे और पाप।
- आधि-व्याधि - शारीरिक कष्ट और मानसिक कष्ट।
- तरणि-तरणी- सूर्य और नाव।
- तरंग-तुरंग - लहर और घोड़ा।
- परुष-पुरुष- कठोर और आदमी।
- अशक्त-आसक्त- शक्तिरहित और प्रेम करने वाला।
- देव – दैव- देवता और भाग्य।
- वहन-बहन- बहना और भगिनी।

❖ अनुभव-अनुभूति -

व्यवहार से प्राप्त आन्तरिक ज्ञान और चिन्तन से प्राप्त आन्तरिक ज्ञान।

❖ ईर्ष्या-प्रतिस्पर्धा -

दूसरों की उन्नति से जलना और दूसरों की उन्नति और गुणों को प्राप्त करने की होड़।

❖ अस्त्र-शस्त्र-

फेंककर चलाया जाने वाला हथियार और हाथ में लेकर चलाया जाने वाला हथियार।

❖ विहग-विहंग- आकाश और पक्षी।

❖ सकल-शकल - - सम्पूर्ण और खण्ड।

❖ हरि-हरः - विष्णु और शंकर।

❖ अन्न-अन्य - अनाज और दूसरा।

❖ भवन-भुवन- घर संसार।

ऋण हेतु बैंक शाखा प्रबन्धक को आवेदन-पत्र

सेवा में,

शाखा प्रबन्धक,
बैंक ऑफ इण्डिया,
रामनगर, पीलीभीत (उ0 प्र0)

महोदय,

सविनय निवेदन है कि वर्ष 2022 में सम्पन्न हुई यू0 पी0 सी0 पी0 एम0 टी0 की मेधावी सूची में मैंने पाँचवा स्थान प्राप्त किया है। प्रवेष हेतु सम्पन्न हुई काउंसलिंग में मुझे 'डॉ0 अब्दुल कलाम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज हैदराबाद, आवंटित हुआ है। संस्थान में प्रवेष एवं अन्य व्यय हेतु मुझे पाँच लाख रूपयों की आवष्यकता है। इस 'चिकित्सा षिक्षा' हेतु मै आपके बैंक से 'षिक्षा ऋण' के अन्तर्गत पाँच लाख रूपयों का ऋण प्राप्त करना चाहता हूँ। ऋण प्राप्त करने हेतु सभी आवष्यक प्रपत्र एवं स्थायी

निवास के लिए जिलाधिकारी द्वारा निर्गत निवास प्रमाण-पत्रों की प्रमाणित प्रतिलिपियाँ ऋण-आवेदन-पत्र के साथ संलग्न हैं। अतः उचित प्रपत्रों की पूर्ति कराकर मुझे शीघ्र उक्त ऋण प्रदानकर कृतार्थ करें।

सादर धन्यवाद!

प्रार्थी,

अ ब स द

सुपुत्र- स द ग

दिनांक-18-03-2023

रामनगर, पीलीभीत

(उ0 प्र0)

गन्दगी और सड़कों की समस्या के सम्बन्ध में पत्र

सेवा में,

अधिषासी अभियन्ता,

नगरपालिका, लखीमपुर (उ0 प्र0)

विषय- गन्दगी और सड़कों की समस्या हेतु।

महोदय,

मैं आपका ध्यान हमारी बस्ती में व्याप्त गन्दगी और दुर्दषा की ओर आकर्षित कराना चाहता हूँ। इस नवीन बस्ती को बसे हुए आठ वर्ष हो चुके हैं, किन्तु अभी भी कुछ ऐसी सड़कें हैं, जहाँ पर ग्रामीण भारत के साक्षात् दर्षन हो जाते हैं। जो सड़के बनी हुई हैं, वे भी जगह-जगह से टूटी हुई हैं और वर्षो से उनकी मरम्मत भी नहीं हुई है। कई सड़के अभी तक कच्ची हैं।

जिन स्थानों पर नालियाँ बनाई गई हैं, वे भी जगह-जगह से टूट गई हैं। जहाँ नालियाँ हैं, वहाँ पर उनकी सफाई के लिए सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति नहीं की गई है, परिणामतः पानी हर समय सड़ता रहता है। जिससे दुर्गन्ध एवं बीमारियाँ फैल रहीं हैं।

आपसे निवेदन है कि कृपया इस बस्ती की दुर्दषा को देखते हुए इसकी सड़कों की मरम्मत और गन्दे पानी के निकास की उचित व्यवस्था का आदेष दीजिए।

सधन्यवाद!

भवदीय,

अ ब स

सुभाष नगर, लखीमपुर

(उ0 प्र0)

दिनांक-11-जनवरी-2023

महत्त्वपूर्ण मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ

1. **एक म्यान में दो तलवार** - एक वस्तु के स्थान पर दो रखने की चेष्टा करना। (2015 DI)

   वाक्य प्रयोग-स्पष्ट बताओ तुम मेरा साथ दोगे या मेरे दुश्मन का? क्योंकि एक म्यान में दो तलवारें नहीं रह सकती हैं।

2. **आँखों का तारा होना-बहुत** प्रिय होना। (2012 DP, 20 ZH, ZK, 22 DU, 23 ZH)

   वाक्य प्रयोग-सावित्री ने अपने बेटे से कहा, "बेटा! तुम तो मेरी आँखों का तारा हो।" तुम्हें अपने से दूर कैसे जाने दूँ।

3. **आसमान से गिरा खजूर पर अटका-एक** विपत्ति से छूटकर दूसरी में उलझना। (2018 AW)

   वाक्य-प्रयोग-रमेश दूसरी बार बोर्ड परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए पर्याप्त अंक प्राप्त किये हैं, किन्तु नकल के आरोप में परीक्षाफल रोका गया है। बेचारे का वही हाल है कि आसमान से गिरा खजूर पर अटक गया।

4. **अन्धे की लकड़ी होना** - एकमात्र सहारा होना। (2020 ZM, 22 DR)

वाक्य-प्रयोग-श्रवण कुमार के वध की सूचना पाते ही उसके माता-पिता विलख-विलख कर रोने लगे। उनके लिए तो वह अन्धे की लकड़ी था।

5. **अक्ल पर पत्थर पड़ना**-बुद्धि कुण्ठित हो जाना।

वाक्य-प्रयोग-सुरेश ने क्रोध में अपनी पत्नी से कहा, मेरी अक्ल पर पत्थर पड़ गये थे, जो तुम्हें ब्याहने गया।

6. **अपने पैरों पर खड़े होना**-स्वावलम्बी होना। (2016 SY, 17 MX, 19 CU, 20 ZI, 22 DP, DT)

वाक्य-प्रयोग-आजकल लड़के की शादी तभी करना चाहिए जब वह अपने पैरों पर खड़ा हो जाए।

7. **अँगूठा दिखाना**-वस्तु देने से मुकर जाना। (2014 CG, 19CY, 23 ZJ)

वाक्य-प्रयोग-अरे, साहब आपके सामने ही तो मोहन ने मुझसे एक सप्ताह के लिए पुस्तक ली थी और अब लौटाने के नाम पर मुझे अँगूठा दिखा दिया।

8. **अपना उल्लू सीधा करना-** स्वार्थ सिद्ध करना। (2013 AW, 16 SW,17 MY, 18 AV,19CT,CX, 22 DS, 23 ZH, ZI, ZM)

वाक्य-प्रयोग-आजकल सच्चा मित्र मिलता ही कहाँ है। सब अपना उल्लू सीधा करने की सोचते हैं।

9. **आगबबूला होना-** बहुत क्रोधित होना।

वाक्य-प्रयोग-हनुमान द्वारा राम की प्रशंसा सुनकर रावण आगबबूला हो गया।

10. **आस्तीन का साँप**-मित्रता की ओट में छिपा हुआ शत्रु। (2014 CF)

वाक्य-प्रयोग-सावधान रहना! हमारे दल में बहुत आस्तीन के साँप घुस आये हैं।

11. **ईद का चाँद होना-** बहुत दिन बाद दिखाई देना। (2014 CE, 16 SY, 17 MX19CS,CT, 23 ZL, ZN)

वाक्य-प्रयोग-कंहो मित्र, अब तक कहाँ रहे, तुम तो ईद के चाँद हो गये हो।

12. **ऊँट के मुँह में जीरा-** अत्यधिक को कम मिलना। (2015 DH, 23 ZN)

वाक्य-प्रयोग- इतनी बड़ी योजना के लिए एक लाख रुपये ऊँट के मुँह में जीरा है।

13. **कान पर जूँ न रेंगना-** कोई ध्यान न देना। (2015 DK, 18 AX)

वाक्य-प्रयोग- मैंने तुम्हें हजार बार समझाया, किन्तु तुम्हारे कान पर जूँ नहीं रेंगती।

14. **गड़े मुर्दे उखाड़ना-** पुरानी दबी हुई बातों को फिर से सामने लाना। (2014 CF, 16 SW)

वाक्य-प्रयोग- तुम दोनों को अब प्रेम से रहना चाहिए। गड़े मुर्दे उखाड़ने से क्या लाभ? उन पुरानी बातों को भूल जाओ।

15. **गागर में सागर भरना** - थोड़े में बहुत अधिक। (2016 SW, SY,20 ZM, 22 DV)

वाक्य-प्रयोग-बिहारी लाल ने अपने दोहों में गागर में सागर भर दिया है।

16. **घी के दिये जलाना-** बहुत प्रसन्न होना। (2015DE, DK, 16SZ, 22DS)

वाक्य-प्रयोग-राम के अयोध्या लौटने पर अयोध्यावासियों ने घी के दिये जलाये थे।

17. **घोड़े बेचकर सोना-** गहरी नींद सोना। (2017 MY, 21 DH)

वाक्य-प्रयोग- परीक्षा सिर पर आ जाने पर भी वह घोड़े बेचकर सो रहा है।

18. **छाती पर मूँग दलना-** परेशान करना। (2017 MX)

वाक्य-प्रयोग-मैंने आपका क्या बिगाड़ा है जो आप बराबर मेरी छाती पर मूँग दल रहे हैं।

19. **नौ दो ग्यारह होना-** भाग जाना। (2023 ZM)

वाक्य-प्रयोग-पुलिस को देखकर चोर नौ दो ग्यारह हो गये।

20. **मुँह फुलाना-** असन्तुष्ट होना। (2022 DV)

वाक्य-प्रयोग-छोटी-छोटी बातों पर मुँह फुलाना उचित नहीं।

21. **मुँह में पानी भर आना-** ललचा उठना।

वाक्य-प्रयोग- अरे भाई! रबड़ी का नाम मत लेना, चौबेजी के मुँह में पानी भर आयेगा।

22. **हवा से बातें करना-** बहत वेग से चलना। (2021 DH, 23 ZH)

वाक्य-प्रयोग-राम का घोड़ा क्या है, जब चलता है तो मालूम होता है वह हवा से बातें कर रहा है।

23. **अधजल गगरी छलकत जाय-** ओढा व्यक्ति प्रदर्शन अधिक करता है। (2015 DI, 17 NB, 19 CY, 22 DQ)

वाक्य-प्रयोग-उसने थोड़ा-सा धन क्या कमा लिया, अब तो वह कार नीचे पैर ही नहीं रखता।

24. आँख के अन्धे नाम नैन सुख-नाम के अनुसार गुण नहीं अथवा गुणों के विरुद्ध व्यवहार (2015 DJ, 23 ZL)

वाक्य-प्रयोग-नाम तो तुम्हारा हरिश्चन्द्र है और बोलते सरासर झूठ हो। यह तो वही बात हुई कि आँख के अन्धे नाम नैन सुख।

25. लोहे का चना चबाना-बड़ी कठिनाई से काम होना।

वाक्य-प्रयोग-गणित की पढ़ाई खेल नहीं है, यह तो लोहे के चने चबाना है

26. आगे नाथ न पीछे पगहा-अकेला होना। (2015 DK, 16 SX)

वाक्य-प्रयोग-किसी प्रकार का प्रतिबन्ध न होना। रमेश अकेला है, इसलिए जितना कमाता है सब खर्च कर देता है, उसका कहना है आगे नाथ न पीछे पगहा। फिर किसके लिए बचाऊँ?

27. आम के आम गुठलियों के दाम-दुहरा लाभ होना। (2017 MX, 19 CT, 20 ZM, 22 DQ, DR)

वाक्य-प्रयोग- अखबार पढ़कर उसकी रद्दी बेच दिया करो। आम के आम गुठलियों के दाम।

28 . आधा तीतर आधा बटेर बेमेल मिश्रण। (2016 SX)

वाक्य-प्रयोग-राज्य सरकार को आधा तीतर आधा बटेर कहना उपयुक्त है।

29. ऊँची दुकान फीके पकवान केवल बाहरी दिखावा। (2015 DJ)

वाक्य-प्रयोग-इस कालेज का नाम बहुत सुना था, पर यहाँ के रंग-ढंग को देखकर यही कहना पड़ता है कि ऊँची दुकान फीके पकवान।

30. एक और एक ग्यारह होते हैं- एकता में अधिक शक्ति होती है। (2019CV)

वाक्य-प्रयोग-यदि घर के सभी लोग मन लगाकर काम करें, तो गाँव में उन्हें कोई नहीं दबा सकता, क्योंकि एक और एक ग्यारह होते हैं।

32. खोदा पहाड़ निकली चुहिया-बहुत आशाप्रद काम करने के बाद बहुत थोड़ा लाभ होना। (2014 CF, CH)

वाक्य-प्रयोग-इस पुस्तक की बड़ी प्रशंसा सुनी थी। सोचा था सारे प्रश्नों के उत्तर मिल जायेंगे, पाँच सौ पृष्ठों को छाँट लिया तब कहीं एक प्रश्न का उत्तर मिल पाया। यह तो वही बात हुई-खोदा पहाड़ निकली चुहिया।

33. घर की मुर्गी दाल बराबर-घर की वस्तु का कोई मान नहीं। (2016 SV)

वाक्य-प्रयोग-तुम अपने योग्य भाई को छोड़कर दूसरों के पैर चाटते फिरते हो, सच है तुम्हारे लिए तो घर की मुर्गी दाल बराबर।

35. चोर की दाढ़ी में तिनका-सशंकित रहना। (2015 DE, 17 MY, 19 CT)

वाक्य-प्रयोग-गुरुजी ने डाँटते हुए पूछा, "यह कुर्सी मेज के ऊपर किसने रखी है सुरेश बोल उठा, जी मैंने तो रखी नहीं है। गुरुजी ने तुरन्त कहा-चोर की दाढ़ी में तिनका यह तुम्हारा ही काम है।"

36. काला अक्षर भैंस बराबर-बिल्कुल अनपढ़। (2015 DH, 23 ZI)

वाक्य प्रयोग-संगीत के विषय में मेरी स्थिति काला अक्षर भैंस बराबर है।37.

37. नाक का बाल होना-अत्यन्त अन्तरंग, प्रिय। (2015 DJ)

वाक्य प्रयोग-मुख्यमंत्री जी की समस्या है अपनी नाक का बाल बने घोटाले में फँसे मंत्री जी को पार्टी से कैसे निकालें।

38. दूध का दूध, पानी का पानी-सच्चाई को सार्वजनिक कर देना। (2015 DE, 23 ZL)
वाक्य प्रयोग-घोटाले में फँसे नेताजी को जेल भेजकर न्यायालय ने दूध का दूध, पानी का पानी सिद्ध कर दिया।

39. न तीन में न तेरह में- महत्त्वहीन होना। (2015 DI)

वाक्य प्रयोग-ज्यादा डींग मत मारो, सच्चाई को स्वीकार करो, तुम न तीन में हो न तेरह में।

40. नौ नकद न तेरह उधार-थोड़ा कम नकद विक्रय अधिक उधार विक्रय की अपेक्षा अच्छा है। (2015 DH)

वाक्य प्रयोग-तत्काल कम लाभ पर बेचना स्वीकार करो, अधिक के लोभ में उधार देना उचित नहीं, क्योंकि कहा गया है कि नौ नकद न तेरह उधार।

41. हाथों के तोते उड़ जाना-अचानक अनिष्ट से स्तब्ध रह जाना। (2015 DJ)

वाक्य प्रयोग-पुत्र के दुर्घटना में मारे जाने की खबर सुनकर महेश के हाथ के तोते उड़ गए।

42. अंग-अंग फूले न समाना - अत्यधिक प्रसन्न होना। (2015 DK)

वाक्य-प्रयोग-प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होने पर रमेश का अंग-अंग फूला नहीं समा रहा था।

43. घर का भेदी लंका ढाये–अपना आदमी विपक्ष को भेद देकर नाश करवा देता है। (2015 DI, 16 SV, 17 MX)

वाक्य-प्रयोग–केशव ने मेरी हर बात विफल कर दी क्योंकि मेरे भाई ने उसे पहले ही मेरी सारी योजना बता दी थी। ठीक ही तो कहा है–घर का भेदी लंका ढाये।

44. नौ दिन चले अढ़ाई कोस–बहुत समय में थोड़ा काम। (2015 DK)

वाक्य-प्रयोग–अरे! आज दिन भर में पाँच ही उत्तर पुस्तिकाएँ जंची हैं। 'नौ दिन चले अढ़ाई कोस।'

45. उंगली पर नचाना–अपने वश में करना। (2015 DG)

वाक्य-प्रयोग–जिलाधिकारी सभी कर्मचारियों को अपनी उंगली पर नचाता है।

46. उल्टी गंगा बहाना–परम्परा से हटकर कार्य करना। (2015 DG, 20 ZI, ZK, ZN, 22 DT)

वाक्य-प्रयोग–चाचा के ऊपर हुक्म चलाकर क्यों उल्टी गंगा बहा रहे हो?

47. ठगा-सा खड़ा रह जाना-आश्चर्यचकित रह जाना। (2015 DH)

वाक्य-प्रयोग-विदेशी लोग ताजमहल को देखकर ठगे-से खड़े रह जाते हैं।

48. अंगारे उगलना-अत्यधिक गुस्से में बोलना। ' (2016 SX)

वाक्य-प्रयोग-ऐसे अधिकारी से सभी कर्मचारी दुःखी रहते हैं, जो अपने सहयोगियों पर हर समय आग ही उगलता रहता है।

49. आँख का तारा-अत्यधिक प्रिय होना। (2016 SW, 17 NB, 23 ZH)

वाक्य-प्रयोग-इकलौता पुत्र माता-पिता की आँख का तारा होता है।

50. दाल में काला होना-सन्देह करना। (2016 SW,19CU, 22 DR)

वाक्य-प्रयोग-तहलका प्रकरण सामने आने पर प्रधानमंत्री को भी मानना पड़ा कि दाल में कहीं काला है।

51. अंधों में काना राजा-मूर्खों में थोड़ा चतुर विद्वान माना जाता है। (2016 SX)

वाक्य-प्रयोग-सोहन आजकल गाँव के अंधों में काना राजा बना फिरता है। क्योंकि वह गाँव में अकेला ही ग्रेजुएट है।

52. आग में घी डालना-बढ़ावा देना। (2016 SX, 17 NB)

वाक्य-प्रयोग-फ्रांस की क्रान्ति में दार्शनिकों के विचार आग में घी डालने का काम किये।

53. दाँतों तले उंगली दबाना - आश्चर्यचकित हो जाना। (2018 AV, 19CW)

वाक्य प्रयोग-विज्ञान मेला में एक नन्हें वैज्ञानिक के यन्त्र प्रयोग को देखकर दर्शक दांतों तले उंगली दबाने लगे।

54. घड़ों पानी पड़ना-अत्यधिक लज्जित होना।

वाक्य प्रयोग-भ्रष्टाचार का भेद खुलने पर मंत्री के ऊपर घड़ों पानी पड़ गया।

55. हाथ कंगन को आरसी क्या- प्रत्यक्ष को प्रमाण की आवश्यकता नहीं होती। (2014 CE, 23 ZM)

वाक्य प्रयोग-अधिक प्रशंसा करने से क्या फायदा, कार चलाकर अच्छे चालक होने का प्रमाण दे दो, हाथ कंगन को आरसी क्या।

56. हर्रा लगे न फिटकरी रंग चोखा-ही-चोखा-बिना परिश्रम के काम बनना।

वाक्य प्रयोग-गोपाल के थानेदार बनने में मंत्री से रिश्तेदारी का ही हाथ है, उसके पिता की हर्रा लगे न फिटकरी पर रंग चोखा आ गया।

57. आँखें नीची होना-अपमान का अनुभव होना। वाक्य प्रयोग-फिजूलखर्ची और बड़ी-बड़ी बातें करने वाला करीम खाँ जब मादक पदार्थों की तस्करी करते पकड़ा गया तो सबके सामने उसकी आँखें नीची हो गयीं।

58. आसमान टूट पड़ना-बड़ी विपत्ति का आना।

वाक्य प्रयोग- अस्सी वर्षीया वृद्धा गंगादेवी पर उस समय आसमान टूट पड़ा जब उसने सुना कि उसके इकलौते बेटे की सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गयी।

59. एक अनार और सौ बीमार–वस्तु मात्र एक किन्तु उसे हासिल करने के लिए अनेक लोग प्रयासरत हों। (2019 CV, 22 DS)

वाक्य प्रयोग–विद्यालय में चपरासी के रिक्त मात्र एक पद के लिए सैकड़ों आवेदन–पत्र का आना 'एक अनार सौ बीमार' की कहावत को चरितार्थ करता है।

60. आकाश–पाताल एक करना–अत्यधिक मेहनत करना। (2014 CE, CH, 16 SY, SZ)

वाक्य प्रयोग – श्यामेन्द्र को परीक्षा के समय आकाश–पाताल एक करना पड़ा, तब जाकर सफलता मिली है।

61. छक्के छुड़ाना–पराजित कर देना। (2014 CF, 15 DF)
वाक्य प्रयोग– इस बार भारत की क्रिकेट टीम ने इंग्लैण्ड के छक्के छुड़ा दिये।

62. अंगारे सिर पर धरना – विपत्ति मोल लेना। (2015 DG, DE)
वाक्य प्रयोग–सोच–समझकर काम करना चाहिए। व्यर्थ में उससे झगड़ा लेकर अँगारे सिर पर मत धरो।

63. अपनी करनी पार उतरनी-समस्याओं से छुटकारा स्वयं के प्रयास से ही मिलता है। (2015 DF, DG)

वाक्य प्रयोग-यदि तुम समझ लोगे कि अपनी करनी पार उतरनी तो तभी तुम्हारा भला होगा।

64. अपने मुँह मिया मिट्ठू बनना-अपनी प्रशंसा स्वयं करना। (2015 DI)

वाक्य प्रयोग-अपने मुँह मिया मिट्ठू बनना ठीक नहीं, तुम क्या हो, सब समझते हैं।

65. कूप-मण्डूक होना-संकुचित विचारवाला होना। (2015 DG)

वाक्य प्रयोग-समुद्र पार करने का निषेध करके हमारे पुरखों ने हमें कूप- मण्डूक बना रहने दिया।

66. जिसकी लाठी उसकी भैंस-शक्तिशाली व्यक्त को जारी

वाक्य-प्रयोग-आज की दुनिया में न्याय कहाँ? जिसकी लाठी उसकी भैंस का जमाना है।

67. धोबी का कुत्ता घर का न घाट का-कहीं सम्मान या स्थान न मिलना। (2016 SW)

वाक्य-प्रयोग-विष्णु बी0 ए0 में फेल हो गया और अस्पताल से उसकी नौकरी भी गयी। अब उसके मित्र भी ढंग से बात नहीं करते और न घर वाले ही। बेचारे का वही हाल है कि धोबी का कुत्ता घर का न घाट का।

68. नाच न जाने आँगन टेढ़ा - स्वयं काम न आने पर दूसरों पर दोष मढ़ना। (2016 SY)

वाक्य-प्रयोग-महेश घण्टे भर में निबन्ध की एक पंक्ति भी नहीं लिख सका और कहने लगा-मेरा पेन खराब है। तब गुरूजी ने कहा- "नाच न जाने आँगन टेढ़ा।"

69. तिल का ताड़ बनाना-छोटी बात को बढ़ा-चढ़ाकर कहना। (2023 ZK)

वाक्य-प्रयोग-बात कुछ भी नहीं थी, यह तो तुमने तिल का ताड़ बना दिया।

70. चार दिन की चाँदनी फिर अँधेरी रात-सांसारिक सुख थोड़े दिन ही रहता है। (2014 CK)

वाक्य-प्रयोग-मनुष्य को अपने रूप और सौन्दर्य पर अधिक अभिमान नहीं करना चाहिए। क्योंकि चार दिन की चाँदनी फिर अँधेरी रात है।

71. उल्टा चोर कोतवाल को डाँटे-अपराधी का निर्दोष पर दोष लगाना। (2017 NB)

वाक्य-प्रयोग-एक तो तुमने अपनी कार से मेरी साइकिल तोड़ दी और मुझ से हर्जाना माँग रहे हो। भई, यह तो वही बात हुई, उल्टा चोर कोतवाल को डाँटे।

72. का बरसा जब कृषि सुखाने-समय निकल जाने पर सहायता करने से कोई लाभ नहीं। (2016 SV,19 CS, 23 ZN)

वाक्य-प्रयोग-देखो, तुम्हारे पिताजी की हालत बहुत गम्भीर है, उन्हें तुरन्त अस्पताल ले जाओ, तो वे ठीक हो सकते हैं, अन्यथा का बरसा जब कृषि सुखाने ।

73. ईंट-से-ईंट बजाना- पूर्णतः नष्ट कर देना। (2016 TB)
वाक्य-प्रयोग-अपने पिता के कत्ल का बदला लेने के लिए रघुवीर ने रोहन के घर की ईंट-से-ईंट बजा दी।

74. एक पंथ दो काज-एक ही उपाय से दो कार्यों का करना। (2018 AX, 22 DS)

वाक्य-प्रयोग- मैं प्रयाग घूमने के लिए आया था, लेकिन गंगा स्नान भी किया। अतः ठीक ही कहा गया है एक पंथ दो काज।

75. पानी-पानी होना-शर्मिन्दा होना। (2020 ZH, ZI, 22 DQ, 23 ZJ)

वाक्य-प्रयोग-रमेश हाईस्कूल की परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने पर पानी-पानी हो गया।

76. कहाँ राजा भोज कहाँ गंगू तेली-दो असमान स्तर की वस्तुओं का मेल नहीं होता।

वाक्य-प्रयोग-किसी उद्योगपति एवं श्रमिक की तुलना करना व्यर्थ है क्योंकि इससे यह उक्ति चरितार्थ होती है कि कहाँ राजा भोज कहाँ गंगू तेली।

77 . मुँह में राम बगल में छूरी-विश्वासघात करना। (2019 CY)

वाक्य-प्रयोग-मोहन ऊपर से कृष्ण की चापलूसी करता है, अन्दर से उसका अहित चाहता है, अतः ठीक ही कहा गया है-मुँह में राम बगल में छूरी।

78 . आँखें बिछाना-आदरपूर्वक किसी का सम्मान करना। (2017 NB)

वाक्य-प्रयोग-भारतीय क्रिकेट टीम जब पाकिस्तान को हराकर वापस लौटी तो यहाँ के लोग आँखें बिछाये बैठे थे।

79. कोठीवाला रोवे, छप्परवाला सोवे-धनवान दुःखी रहता है तथा निर्धन निश्चिन्त। (2017 MV)

वाक्य-प्रयोग-प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कार्यप्रणाली कुछ ऐसी ही है, जिसमें कोठीवाला रोए, छप्परवाला सोए की कहावत चरितार्थ हो रही है।

80. एक ही लकड़ी से हाँकना-अच्छे-बुरे की पहचान न होना। (2017 MZ)

वाक्य-प्रयोग-हम स्वाधीनता के नाम पर सबको एक ही लकड़ी से हाँक रहे हैं।

81. कच्चा चिट्ठा खोलना-गुप्त भेद खोलना। (2017 MZ)

वाक्य-प्रयोग-आपात्कालीन स्थिति ने बड़े-बड़े सफेदपोशों का कच्चा चिट्ठा खोल कर रख दिया।

82. आये थे हरि भजन को ओटन लगे कपास लक्ष्य कार्य को छोड़कर तुच्छ कार्य में लग जाना। (2017 MZ)

वाक्य-प्रयोग-व्योमेश प्रतियोगिता के लक्ष्य से भटककर ठेकेदारी के कार्य में लगकर आये थे हरि भजन को ओटन लगे कपास की कहावत को चरितार्थ कर रहा है।

83. खून सफेद होना-उत्साह का समाप्त हो जाना, बहुत डर जाना। (2017 MW)

वाक्य-प्रयोग-अपने सामने एक बहुत ही भयानक चेहरे के व्यक्ति को खड़ा देखकर मानो उसका खून सफेद हो गया।

84 . घर फूँक तमाशा देखना- क्षणिक आनन्द के लिए बहुत अधिक खर्च करना।

वाक्य-प्रयोग-सेठ का बड़ा लड़का शराब व जुए में सम्पत्ति नष्ट करके घर फूँक तमाशा देख रहा है।

85. बाँछें खिल जाना प्रसन्नता से भर उठना। (2017 MW)

वाक्य-प्रयोग- अपनी प्रोन्नति का समाचार सुनकर शशांक की बाँहें खिल गईं।

86. चुल्लूभर पानी में डूब मरना-अपने गलत काम के लिए लज्जा का अनुभव करना। (2017 NA)

वाक्य-प्रयोग-रमेश ने अपनी बहन की सम्पत्ति हड़पने की कोशिश की। तब सम्बन्धियों ने उससे कहा कि जाओ चुल्लूभर पानी में डूब मरो।

87. गिरगिट की तरह रंग बदलना-अस्थिर रहना। (2017 NA)

वाक्य-प्रयोग-आजकल के नेताओं को गिरगिट की तरह रंग बदलना खूब आता है।

88. नहले पर दहला-अकाट्य दाँव चलना। (2017 NB)

वाक्य-प्रयोग-भ्रष्टाचार के विरुद्ध और विकास का नारा देकर नरेन्द्र मोदी ने ऐसा नहले पर दहला चला कि सपा-कांग्रेस गठबन्धन चारों खाने चित्त हो गया।

89. बाल-बाँका न होना-कुछ भी हानि न पहुँचना। (2017 MY)
वाक्य-प्रयोग-इस मुकदमें में तुम चाहे जितना ही धन व्यय करो किन्तु उनका बाल-बाँका नहीं हो सकता।

90. धरती पर पाँव न पड़ना-आशातीत खुशी मिलना। (2017 NA)

वाक्य-प्रयोग-मोहन को पाँच करोड़ की लाटरी क्या मिली धरती पर उसके पाँव ही नहीं पड़ रहे हैं।

91. हाथ-पाँव मारना-अत्यधिक प्रयत्न करना। (2018 AV,19CX)

वाक्य-प्रयोग- अपने बेटे को एम0 बी0 बी0 एस0 में अच्छे कालेज में प्रवेश दिलाने के लिए उसके पिता रमेश ने खूब हाथ-पाँव मारे, किन्तु सफल न हो सके।

92. न रहेगा बाँस न बाजेगी बाँसुरी- झगड़े को समूल नष्ट करना। (2018 AV)

वाक्य-प्रयोग-यदि यह पुस्तक ही झगड़े का कारण है तो मैं इसे फाड़कर फेंक देता हूँ-न रहेगा बाँस न बाजेगी बाँसुरी।

93. आ बैल मुझे मार-बिना कारण मुसीबत मोल लेना।'आ बैल मुझे मार' वाली स्थिति उत्पन्न कर दी।

(2018 AW, AZ, 19CX)

वाक्य-प्रयोग-विदेशी सामानों को चोर बाजार में बेचकर आपने बेकार ही

94. अपनी-अपनी ढपली अपना-अपना राग-सभी के द्वारा मनमानी करना। (2016 SV)
वाक्य-प्रयोग-अपनी-अपनी ढपली और अपने-अपने राग के कारण ही प्रत्येक राजनीतिक दल में आन्तरिक असन्तोष व्याप्त है।

95. उल्टे बाँस बरेली को-विपरीत कार्य करना। (2016 SV)

96. वाक्य-प्रयोग-फिरोजाबाद के व्यक्ति का दिल्ली से चूड़ी खरीदकर लाना उल्टे बाँस बरेली को लादना कहा जायेगा। (2016 SZ)

97. काठ की हाँड़ी बार-बार नहीं चढ़ती-धोखेबाजी बार-बार नहीं चलती।

वाक्य-प्रयोग-सुरेश देशी घी में डालडा मिलाकर बेचता है। एक दिन पकड़ा गया, क्योंकि काठ की हाँड़ी बार-बार नहीं चढ़ती है।

98. खटाई में पड़ना-उलझन पैदा करना।

वाक्य-प्रयोग-मेरे मामले का निर्णय अभी तक नहीं हुआ है, लिपिक महोदय ने जान-बूझकर उसे खटाई में डाल दिया है।

99. अगर-मगर करना-बचने का बहाना ढूँढ़ना। (2016 TA)

वाक्य-प्रयोग- अब ये अगर-मगर करना बन्द करो और चुपचाप स्थानान्तरण पर चले जाओ।

100. कलेजा मुँह को आना-अत्यधिक व्याकुल होना। (2016 TA)

वाक्य-प्रयोग- अपने मित्र के स्वर्गवास का समाचार सुनकर कृष्ण को ऐसा लगा, जैसे उसका कलेजा मुँह को आ गया।

101. मुट्ठी गर्म करना-रिश्वत देना। (2016 TA)

वाक्य-प्रयोग-लिपिक की मुट्ठी गर्म करने पर ही लाभचन्द को चीनी का परमिंट मिल सका।

102 . चोर-चोर मौसेरे भाई-समाज विरोधी कार्य में लगे हुए व्यक्ति समान होते हैं। (2016 SV)

वाक्य-प्रयोग-आजकल मनरेगा में ग्रामप्रधान और अधिकारी चोर-चोर मौसेरे भाई की तरह कार्य कर रहे हैं।

103. अँगारे बरसना-अत्यधिक गर्मी पड़ना। (2016 SX)

वाक्य-प्रयोग-जून मास की अँगारे बरसाती धूप से बचना हितकारी है।

104. तिल का ताड़ करना-छोटी-सी बात को बड़ी करना। (2016 SZ)

वाक्य-प्रयोग-बात बहुत छोटी-सी थी किन्तु मोहन उसे तिल का ताड़ बना दिया।

105. छाती पर साँप लोटना- ईर्ष्या होना। (2017 NB)

वाक्य-प्रयोग-भारत की चहुँमुखी प्रगति को देखकर पाकिस्तान की छाती पर साँप लोटने लगा है।

106. खून का प्यासा होना-दुश्मन होना। (2017 MY)

वाक्य-प्रयोग-भाई की मौत का बदला लेने के लिए सोहन रमेश के खून का प्यासा बन गया।

107. कलेजे (छाती) पर साँप लोटना-ईर्ष्या होना, जलन होना। (2017 NB)

वाक्य-प्रयोग-मेरे बच्चे की नौकरी लगते ही श्याम के कलेजे (छाती) पर साँप लोट गया है।

108. ईंट का जवाब पत्थर से देना–डटकर मुकाबला करना। (2017 MX)

वाक्य-प्रयोग–हमारी सेना ने कारगिल युद्ध में पाकिस्तान को ईंट का जवाब पत्थर से दिया था।

109. बन्दर क्या जाने अदरक का स्वाद – अयोग्य व्यक्ति अच्छी वस्तु के गुण नहीं समझ सकता। (2017, 18 BA)

वाक्य-प्रयोग–तुम्हें यह कविता अच्छी लग ही कैसे सकती हैं। बन्दर क्या जाने अदरक का स्वाद।

110. ऊधौ का लेना न माधौ का देना–स्पष्ट व्यवहार करना। (2018 AW)

वाक्य-प्रयोग–मोहन केवल अपने काम से काम रखता है। सही कहा गया है कि ऊधौ का लेना न माधौ का देना।

111. गुड़ खाये गुलगुलों से परहेज–दिखावटी परहेज। (2018 AW)

वाक्य-प्रयोग–प्याज से बनी पकौड़ियाँ तो तुम चाव से खाते हो, लेकिन प्याज खाने से इतना परहेज करते हो। तुम जैसों के लिए ही कहा गया है कि 'गुड़ खाये गुलगुलों से परहेज'।

112. जैसी करनी वैसी भरनी–बुरे काम का बुरा नतीजा। (2018 AW, AZ, 19CW)

वाक्य–प्रयोग–यदि आप अच्छे काम करेंगे तो आपको अच्छा फल मिलेगा और यदि बुरे काम करेंगे तो बुरा फल मिलेगा। सही ही कहा गया है कि 'जैसी करनी वैसी भरनी।'

113. गले का हार बनना अत्यन्त प्रिय होना। (2018 AX)

वाक्य–प्रयोग–रामानन्द सागर का दूरदर्शन सीरियल 'रामायण' दर्शकों के गले का हार हो गया था।

114. हाथ कंगन को आरसी क्या?– प्रत्यक्ष को किसी प्रमाण की आवश्यकता नहीं, होती। (2018 AX,20ZH,ZI,ZN)

वाक्य–प्रयोग–तुम तो सेंध बनाकर घर में घुसते हुए पकड़े गये हो। तुम्हारे चोर होने में कोई सन्देह नहीं रह गया, क्योंकि कहा गया है– 'हाथ कंगन को आरसी क्या?'

115. आग में घी डालना–क्रोध भड़काना। (2018 AX)

वाक्य–प्रयोग–परिवार में विघटन देखकर उसने लड़ाई कराकर आग में घी डालने का कार्य किया।

116. **अंक लगाना-** प्यार से गोद में लेना। (2018 AZ)

वाक्य-प्रयोग-वर्षों बाद घर पर आये बेटे को आगे बढ़कर वृद्ध पिता ने अंक में लगा लिया।

117. **खून सूख जाना-** भयभीत हो जाना। (2018 AZ)

वाक्य-प्रयोग-निस्तब्ध रात्रि में गोली की आवाज सुनकर मोहल्ले वालों का खून सूख गया।

118. शोले भड़काना अशान्ति होना। (2018 AZ)

वाक्य-प्रयोग-कानपुर के दंगे ने पूरे शहर में शोले भड़का दिये हैं।

119. आसमान सिर पर उठाना-बहुत अधिक शोर मचाना। (2018 BA)

वाक्य-प्रयोग-मोहन का मिजाज बहुत गर्म है। वह जरा जरा-सी बातों पर आसमान सिर पर उठा लेता है।

120. प्राण हथेली पर लिये फिरना-जीवन को संकट में डालना। (2018 BA)

वाक्य-प्रयोग-डाकुओं को पकड़ना कोई आसान काम नहीं, वे सदैव प्राण हथेली पर रखकर चलते हैं।

121. होनहार बिरवान के होत चीकने पात- होनहार बचपन से ही दिखाई पड़ने लगते हैं। (2018 BA, 19CU,CW)

वाक्य-प्रयोग-पं0 जवाहरलाल नेहरू को देखकर एक आकृति विज्ञानी ने भविष्यवाणी की थी कि यह बालक आगे चलकर देश का कर्णधार बनेगा, इसके लक्षण विलक्षण है क्योंकि 'होनहार बिरवान के होते चीकने पात'।

122. अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता-किसी कठिन काम को व्यक्ति बिना सहायता के अकेला नहीं कर सकता। (2019 CY)

वाक्य-प्रयोग-आप अकेले ही इस रिश्वतखोरी को कैसे रोक लेंगे? अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता।

123. चार चाँद लगना-सौन्दर्य में वृद्धि होना। (2019 CV)

वाक्य-प्रयोग-शरद पूर्णिमा को ताजमहल की शोभा में चार चाँद लग जाते हैं।

124. **नाक कटना-** अपमान होना।

वाक्य-प्रयोग-मैच फिक्सिंग से भारतीय क्रिकेट टीम की नाक कट गयी।
(2019 CS)

125. **दूध का दूध, पानी का पानी -** सच्चाई को सार्वजनिक कर देना।
(2015 DE, 19 CV)

वाक्य-प्रयोग-घोटाले में फंसे नेताजी को जेल भेजकर न्यायालय ने दूध का दूध, पानी का पानी सिद्ध कर दिया।

126. **गंगा गये गंगादास, जमुना गये जमुनादास-** अवसरवादिता।
(2019 CS, 21 DH)

वाक्य-प्रयोग-कुछ लोगों की आदत होती है कि उनके सामने जो व्यक्ति आता है, उसी की प्रशंसा करने लगते हैं, ऐसे लोगों के लिए कहा जाता है गंगा गये गंगादास, जमुना गये जमुनादास।

127. **श्री गणेश करना-** कार्य आरम्भ करना। (2019 CW)

वाक्य-प्रयोग-इस शुभ कार्य का श्रीगणेश तुरन्त कर देना चाहिए।

128. **पापड़ बेलना-** कष्ट उठाना। वाक्य-प्रयोग-राम को नौकरी पाने के लिए बहुत पापड़ बेलने पड़े।(2020 ZI)

129. **हाथ पीले करना-** विवाह करना। (2020 ZM, 22 DU, 23 ZL, ZM)

वाक्य-प्रयोग-कमला ने अपनी पुत्री के हाथ पीले कर दिये।

130. **गूलर का फूल होना-** अति दुर्लभ होना। वाक्य-प्रयोग-गूलर के फूल के समान तुम एक वर्ष से दिखाई नहीं दिये। (2020 ZK, 22 DT)

131. **सावन हरे न भादों सूखे-** सदा एक समान रहना। (2020 ZI, 22 DP, DU)

वाक्य-प्रयोग-सच्चे महापुरुष न सावन में हरे होते हैं न भादों में सूखते हैं।

132. **नाक में नकेल डालना वश में करना।** (2022 DU)

वाक्य-प्रयोग- अनेक महिलाएँ अपने पतियो की नाक में नकेल डाल देती हैं।

133. **अक्ल का दुश्मन-** मूर्ख। (2022 DV)

वाक्य-प्रयोग-मनोज अक्ल का दुश्मन है।

134. मक्खन लगाना–चापलूसी करना। (2022 DP, DT, DU)

वाक्य-प्रयोग–दिनेश अधिकारियों को मक्खन लगाने में ही लगा रहता है।

135. पिया चाहे सोई सुहागिन–अधिकारी जिसे चाहे वही योग्य। (2022 DP)

वाक्य-प्रयोग–विद्यालय में प्रधानाचार्य प्रायः वही होता है जिसे प्रबन्धक पसन्द करें, क्योंकि पिया जिसे चाहता है, वही सुहागिन कहलाती है।

136. कलई खुल जाना–भेद खुल जाना। (2022 DQ)

वाक्य-प्रयोग–पत्रकारों ने अनेक नेताओं की कलई खोल दी।

137. होश उड़ जाना–घबरा जाना। (2022 DR)

वाक्य-प्रयोग–सामने शेर को आता देखकर शिकारी के होश उड़ गये।

महामैराथन
रस, छंद,
अलंकार
6 अंक पक्का
22 February
12th
महत्वपूर्ण
2024
यही आयेंगे